मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 05 मार्च 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	05-03-14	06-03-14	07-03-15	08-03-15	09-03-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	29	30	30	31	31
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	13	14	14	15	15
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	1	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	38	35	42	45	38
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	8	10	15	13	15
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	12	13	7	13	9
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

जहॉ सरसों की फसल पक गई है उसकी कटाई करें व दाना निकाल कर सुरक्षित स्थान पर रखें।

जीरे की फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए 2 ग्राम मैन्कोजेब दवा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गेहूँ की फसल में मोयला/चेपा कीट के नियंत्रण के लिए मोनोक्रोटोफास 1 लीटर या मैलाथियान 1 लीटर दवा प्रति हैक्टर की दर से 500 लीटर पानी मे घोल बनाकर छिड़काव करें।

बैगन एवं टमाटर की फसल में फल एवं तना छेदक लट के नियत्रंण के लिए एसीफेट 75 एस.पी. 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करं।

बदलते मौसम में पशुओं में संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। अतः इस माह से गर्मी में होने वाले प्रमुख रोगों के प्रति सावधानी रखें। पशुशाला की नियमित समय पर सफाई करें व बिछावन को सूखा रखें।